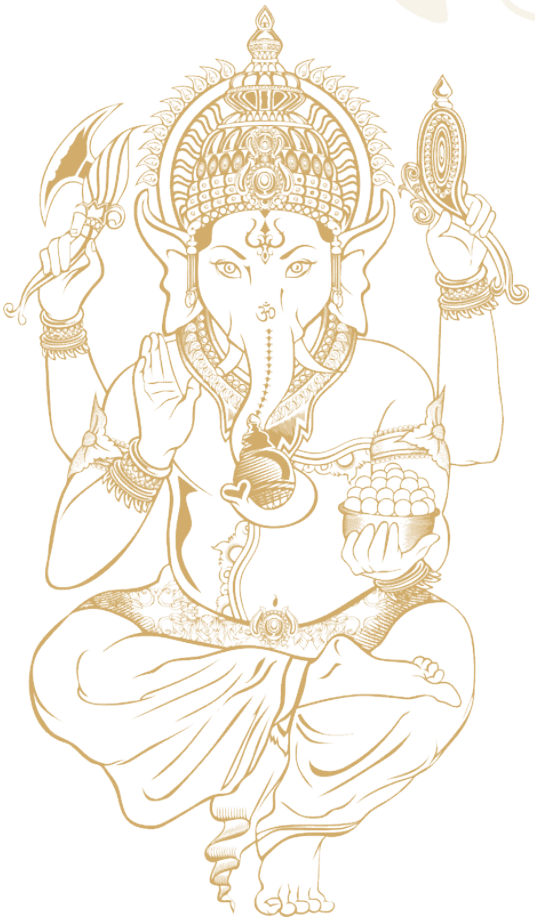

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/12/1996	जन्म तिथि	27/07/1998
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	15:40:00 घंटे
घटी 10:59:56	जन्म समय(घटी)	25:03:30 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Delhi
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:01	सूर्योदय	05:39:30
17:30:01	सूर्यास्त	19:15:19
23:48:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:07

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 7मा 12दि		25:48:51	कुंभ	लग्न	वृश्चि	19:12:31	शुक्र 1वर्ष 8मा 5दि	
शनि		09:55:06	धनु	सूर्य	कर्क	10:21:18	राहु	
07/08/2020		14:21:26	मिथु	चंद्र	सिंह	25:32:45	02/04/2023	
08/08/2039		03:02:11	कन्या	मंगल	मिथु	20:14:49	01/04/2041	
शनि	11/08/2023	25:13:03	धनु व	बुध	सिंह	03:52:17	राहु	13/12/2025
बुध	20/04/2026	29:48:23	धनु	गुरु व	मीन	04:04:51	गुरु	08/05/2028
केतु	30/05/2027	16:11:50	वृश्चि	शुक्र	मिथु	15:33:31	शनि	15/03/2031
शुक्र	30/07/2030	07:13:13	मीन	शनि	मेष	09:28:07	बुध	01/10/2033
सूर्य	12/07/2031	09:29:56	कन्या व	राहु	सिंह	07:47:15	केतु	20/10/2034
चन्द्र	09/02/2033	09:29:56	मीन व	केतु	कुंभ	07:47:15	शुक्र	19/10/2037
मंगल	21/03/2034	09:05:19	मक	हर्ष व	मक	17:12:18	सूर्य	13/09/2038
राहु	25/01/2037	02:46:09	मक	नेप व	मक	06:50:24	चन्द्र	14/03/2040
गुरु	08/08/2039	10:20:15	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:34:02	मंगल	01/04/2041

लग्न-चलित

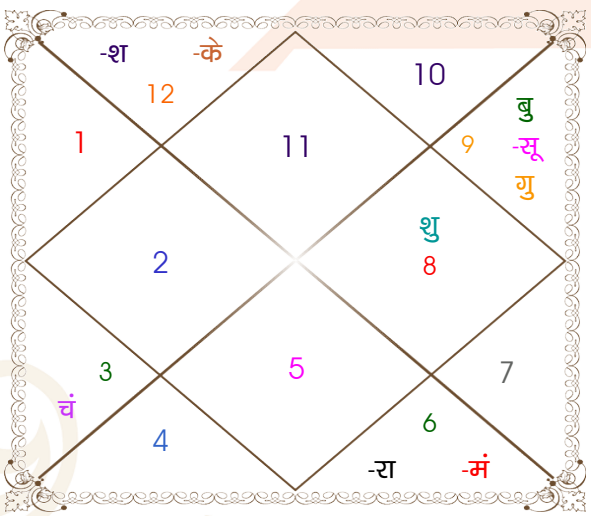

लग्न-चलित

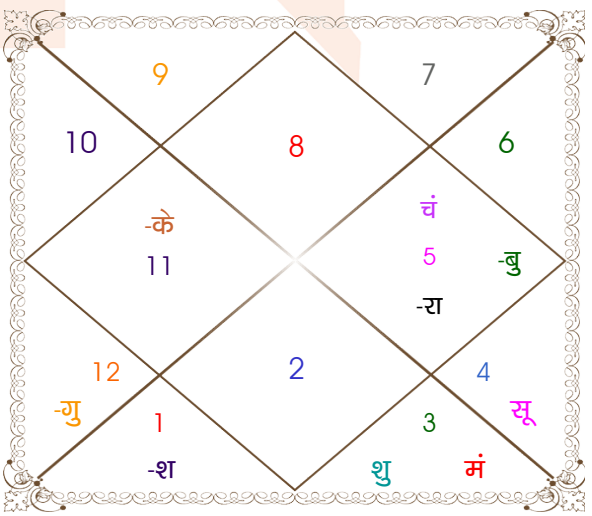

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।